2016

HINDI

[Honours]

PAPER – VII

Full Marks : 90

Time : 4 hours

The figures in the right hand margin indicate marks

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable

Illustrate the answers wherever necessary

खण्ड — क

1. निम्नलिखित में से किन्हीं *दो* प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 15 × 2

(क) काव्य प्रयोजन से क्या तात्पर्य है ? काव्य प्रयोजन से सम्बन्धित भारतीय आचार्यों के विविध मतों की समीक्षा कीजिए ।

(ख) रस निष्पत्ति की प्रक्रिया को विश्लेषित कीजिए ।

(ग) एकांकी के प्रमुख तत्त्वों का विवेचन कीजिए ।

(घ) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल की प्रमुख आलोचनात्मक मान्यताओं पर प्रकाश डालिए ।

(ङ) डॉ॰ नगेन्द्र की आलोचना दृष्टि का विश्लेषण कीजिए ।

खण्ड — ख

2. किन्हीं *आठ* प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 5 × 8

(क) 'शब्दार्थौ सहितौ काव्यम्' उक्ति की विवेचना कीजिए ।

(ख) साधारणीकरण का अभिप्राय स्पष्ट कीजिए ।

(ग) काव्य की आत्मा से आप क्या समझते हैं, समझाकर लिखिए ।

(घ) अलंकार्य के स्वरूप का संक्षेप में विवेचन कीजिए ।

(ङ) रस के प्रमुख अवयवों पर प्रकाश डालिए ।

(च) नाटक में रंगमंच के महत्त्व को रेखांकित कीजिए ।

(छ) नाटक और उपन्यास को अंतर के स्पष्ट कीजिए ।

(ज) डॉ० नामवर सिंह की आलोचना दृष्टि का विश्लेषण कीजिए ।

(झ) छायावाद के सम्बन्ध में आचार्य नंद दुलारे वाजपेयी की प्रमुख मान्यताओं पर विचार कीजिए ।

(ञ) 'कला जीवन के लिए' अवधारणा को स्पष्ट कीजिए ।

खण्ड — ग

3. किन्हीं *पाँच* पर टिप्पणी लिखिए : 4 × 5

(क) अलंकार और अलंकार्य में अंतर

(ख) आलम्बन विभाव

(ग) रौद्र रस

(घ) अनुप्रास अलंकार

(ङ) कहानी में संवाद का महत्त्व

(च) उपन्यास और कहानी में अंतर

(छ) आलोचक के गुण

(ज) आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी की आलोचना दृष्टि ।